

स्थान के
पहुरा थारु दैनिकके अनलाइन न्यूज ओ ओकरभिट्टर डारल इ-पेपरमे देशविदेशसे हमार अनलाइन न्यूज ओ पत्रिका पहे सेक्वी ।

नेपालमे बाघके सख्या ४२९ पुगल

प्राकृतिक स्रोतमे आधारित कच्चा वस्तुमे सीमित सुदूरपश्चिमके व्यापार

पहुरा समाचारवाता काठमाडौं, १३ सावन । पछिल्का गणनाअनुसार नेपालमे बाघके सख्या ४२९ पुगल बा । विश्व बाघ दिवसके अवसरमे बुधके कृषि, वन तथा पर्यावरण मन्त्रालयसे बाघके पछिल्का गणना सार्वजनिक करल हो ।

कृषि, वन तथा पर्यावरणमन्त्री गिता चौधरीसे सार्वजनिक करल २०८२ के गणनाअनुसार कुल बाघके सत्था मुलुकभर ४२९ पुगल हो ।

पछिल्का गणनाअनुसार चितवन राष्ट्रिय निकुञ्जमे १४५, बर्दिया राष्ट्रिय निकुञ्ज ११२, पर्सा राष्ट्रिय निकुञ्जमे ७१, बाँके राष्ट्रिय निकुञ्जमे ५१ ओ शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्जमे ५० बाघ बटै । पछिल्का दिनमे संरक्षण क्षेत्र ओ बासस्थानमे हुइल सुधार, सिकार प्रजातिके वृद्धिलगायतके आधारमे बाघके सख्या ठपल बटाइल बा ।

नेपालमे प्रायः चार वर्षमे बाघ गणना करजाइठ । सन् २०२२ के बाघ गणनाअनुसार मुलुकमे बाघके सख्या ३५५ रहे । सन् २०२२ के गणनाअनुसार सबसे ढेर बाघ चितवन राष्ट्रिय निकुञ्जमे १२८, ओकरपाछे बर्दिया राष्ट्रिय निकुञ्जमे १२५, पर्सा राष्ट्रिय निकुञ्जमे ४१, शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्जमे ३६ ओ बाँके राष्ट्रिय निकुञ्जमे २५ बाघ रहे । मन्त्रालयसे २००९ से हरेक चार वर्षमे बाघ गणना करटी आइल बा । नेपालमे बाघके सख्या सन् २०१० मे १२१, सन् २०१४ मे १९८ ओ २०१८ मे २३५ रहल रहे ।

प्रत्येक वर्ष जुलाई महिनाके २९ मा बाघ दिवस मनाजाइठ । सन् २०१० मे रुसके सेन्ट पिटर्सबर्गमे हुइल बाघ शिखर सम्मेलनके घोषणासंगे यी दिवस मनाई लागल हो । तत्कालीन समयमे बाघके सख्या तीव्र रूपमे घटटी गैल

शुक्लाफाँटामे ५० बाघ पुगलै



पहुरा समाचारवाता कञ्चनपुर, १३ सावन । कञ्चनपुरके शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्जमे बाघके सत्था ५० पुगल बा ।

राष्ट्रिय बाघ सर्वेक्षण २०८२ के नतिजाअनुसार शुक्लाफाँटामे बाघके सत्था ४४ से वृद्धि हुइल ५० पुगल हो । शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्जके संरक्षण अधिकृत विनय भ्ना आठ वर्षके अवधिमे निकुञ्जमे बाघके सत्थामे उल्लेखनीय वृद्धि हुइल बटैलै ।

सन् २०१८ मे गणना करके शुक्लाफाँटामे बाघके सत्था १६ रहल रहे । राष्ट्रिय निकुञ्ज ओ वन्यजन्तु संरक्षण विभागसे आज बिहान बाघ सर्वेक्षणके नतिजा सार्वजनिक करटी बाघ गणना



कञ्चनपुरके शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्जमे देखा परल बा । फोटो सुबन चौधरी

अवस्थाहे रोकन ओ ओकर प्राकृतिक बासस्थानके संरक्षण कैना उद्देश्यसे दिवस मनाई लागल हो ।

बाघ स्वस्थ पारिस्थिकीय प्रणालीके सूचक ओ प्राकृतिक खाद्य श्रृंखलाके उच्च तहमे रहल महत्वपूर्ण प्रजाति हो । पछिल्का दिनमे संरक्षण क्षेत्रके साथे मध्यवर्ती क्षेत्रमे डेखल बाघके अवस्था, बासस्थानमे हुइल सुधार, सिकार प्रजातिके वृद्धिलगायतके आधारमे यी गणनामे बाघके सख्या ठना अनुमान करल बा । बाघ स्वस्थ पारिस्थिकीय प्रणालीके सूचक ओ प्राकृतिक खाद्य श्रृंखलाके उच्च तहमे रहल महत्वपूर्ण प्रजाति हो ।

बाघ नेपाललगायत भारत, चीन, बङ्गलादेश, भुटान, कम्बोडिया, लाओस, इन्डोनेसिया, मलेशिया, म्यान्मा, रसिया, थाइल्यान्ड ओ भियतनाम करके एसियाके १३ देशमे केल्ह पाजाइठ । विश्वमे सन् २०१० मे करिब तीन हजार २०० के सख्यामे रहल बाघके सख्या सन् २०२५ के तथ्याङ्कअनुसार बहके पाँच हजार ३५७ पुगल बा । उ मध्ये सबसे ढेर भारतमे तीन हजार १६७, रुसमे ७५०, इन्डोनेसियामे ४००, नेपालमे ३५५, थाइल्यान्डमे १८९, भुटानमे १५१,

२०८२ पुससे २०८३ वैशाख १० गतेसम करल जनैना बा । शुक्लाफाँटा ओ आसपासके क्षेत्रमे कम्प्लेक्स विभाजन करटी बाघ गणना करल शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्जसे जनैल बा । बर्दियामे बाघके लग आहारा प्रशस्त हुइल कारणके बाघके सत्थामे वृद्धि हुइल हो ।

मुलुककमे कम क्षेत्रफलमे ढेर बाघके बासस्थानके रूपमेफे शुक्लाफाँटा परिचित बा । कुल ३०५ वर्ग किलोमिटर क्षेत्रफल रहल शुक्लाफाँटामे बाहसिङ्गा, चित्तल, बँदेललगायत करके आहारा प्रजाति प्रति वर्गकिलोमिटरमे १४६.२ जनावर रहल शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्जके कहाइ बा ।

संकलन कैना करजाइठ । बाघ सर्वेक्षणके लग राष्ट्रिय बाघ तथा आहारा प्रजातिके अनुगमन विधी (प्रोटोकल) तर्जुमा करल बा ।

प्रोटोकलबमोजिम पछिल्का बाघ ओ यकर बासस्थान सर्वेक्षण गैल पुस १ गतेसे सुरुआत करल निकुञ्ज विभागके सूचना अधिकारी एवं वरिष्ठ इकोलोजिस्ट हरिभद्र आचार्य जानकारी डेलै ।

बाघके बासस्थान रहल राष्ट्रिय निकुञ्ज एवं वरपरके वनक्षेत्र समेटके चितवन-पर्सा कम्प्लेक्स, बाँके-बर्दिया कम्प्लेक्स ओ शुक्लाफाँटा-लालभाडी कम्प्लेक्स करके तीन क्षेत्रमे करिब तीन महिना लगाके बाघ सर्वेक्षण कार्य सम्पन्न करल रहे ।

बाघ पैना कम्प्लेक्सहे टमान ब्लकमे विभाजन करके ब्लकभितर दुई किमी लम्बाइ ओ दुई किमी चौडाइके वर्गाकार ग्रिड बनाके हरेक ग्रिडमे एक जोडी स्वचालित क्यामेरा जडान करके निरन्तर रूपमे कम्तीमे १५ दिन (रात)सम बाघके तस्बिर खिचके ओ उ तस्बिरके विश्लेषण करके बाघके सख्या निकारल रहे ।

राष्ट्रिय बाघ सर्वेक्षण निकुञ्ज विभागके नेतृत्वमे वन तथा भूसंरक्षण विभाग, प्रदेश सरकार, नेपाली सेना, राष्ट्रिय प्रकृति संरक्षण कोष, डब्लुडब्लुएफ नेपाल ओ जेडएसएल नेपालके सहयोगमे सम्पन्न करल रहे । साथे यी कार्यमे राष्ट्रिय निकुञ्ज कार्यालय, डिभिजन वन कार्यालय, हात्तीसार, मध्यवर्ती क्षेत्र उपभोक्ता समिति, सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह, वन प्राविधिक ओ स्वयंसेवक परिचालन करल रहे । यी कार्यके लग करिब २५० जाने जनशक्ति ओ करिब एक हजार १०० ट्याप (बाँकी ३ पेजमे)

नेपालके तराई भूपरिधिके पाँच ठो राष्ट्रिय निकुञ्ज (पर्सा, चितवन, बाँके, बर्दिया, शुक्लाफाँटा) ओ वरपरके मध्यवर्ती तथा राष्ट्रिय वनक्षेत्र एवं जैविक मार्गमे केल्ह बाघ पाजाइठ । नेपालसे सन् १९९० के दशकसे बाघ संरक्षण कार्ययोजना तर्जुमा करके कार्यान्वयन करटी रहल बा ।

यैसिक करल रहे पछिल्का बाघ सर्वेक्षण बाघके गणना हरेक चारसे पाँच वर्षके अन्तरालमे करके बाघके सख्या ओ यकर आहारा प्रजाति साथे वासस्थानके बारेमे समेत तथ्याङ्क

संकलन कैना करजाइठ । बाघ सर्वेक्षणके लग राष्ट्रिय बाघ तथा आहारा प्रजातिके अनुगमन विधी (प्रोटोकल) तर्जुमा करल बा ।

प्रोटोकलबमोजिम पछिल्का बाघ ओ यकर बासस्थान सर्वेक्षण गैल पुस १ गतेसे सुरुआत करल निकुञ्ज विभागके सूचना अधिकारी एवं वरिष्ठ इकोलोजिस्ट हरिभद्र आचार्य जानकारी डेलै ।

बाघके बासस्थान रहल राष्ट्रिय निकुञ्ज एवं वरपरके वनक्षेत्र समेटके चितवन-पर्सा कम्प्लेक्स, बाँके-बर्दिया कम्प्लेक्स ओ शुक्लाफाँटा-लालभाडी कम्प्लेक्स करके तीन क्षेत्रमे करिब तीन महिना लगाके बाघ सर्वेक्षण कार्य सम्पन्न करल रहे ।

बाघ पैना कम्प्लेक्सहे टमान ब्लकमे विभाजन करके ब्लकभितर दुई किमी लम्बाइ ओ दुई किमी चौडाइके वर्गाकार ग्रिड बनाके हरेक ग्रिडमे एक जोडी स्वचालित क्यामेरा जडान करके निरन्तर रूपमे कम्तीमे १५ दिन (रात)सम बाघके तस्बिर खिचके ओ उ तस्बिरके विश्लेषण करके बाघके सख्या निकारल रहे ।

राष्ट्रिय बाघ सर्वेक्षण निकुञ्ज विभागके नेतृत्वमे वन तथा भूसंरक्षण विभाग, प्रदेश सरकार, नेपाली सेना, राष्ट्रिय प्रकृति संरक्षण कोष, डब्लुडब्लुएफ नेपाल ओ जेडएसएल नेपालके सहयोगमे सम्पन्न करल रहे । साथे यी कार्यमे राष्ट्रिय निकुञ्ज कार्यालय, डिभिजन वन कार्यालय, हात्तीसार, मध्यवर्ती क्षेत्र उपभोक्ता समिति, सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह, वन प्राविधिक ओ स्वयंसेवक परिचालन करल रहे । यी कार्यके लग करिब २५० जाने जनशक्ति ओ करिब एक हजार १०० ट्याप (बाँकी ३ पेजमे)

यैसिक करल रहे पछिल्का बाघ सर्वेक्षण बाघके गणना हरेक चारसे पाँच वर्षके अन्तरालमे करके बाघके सख्या ओ यकर आहारा प्रजाति साथे वासस्थानके बारेमे समेत तथ्याङ्क

पहुरा समाचारवाता धनगढी, १३ सावन । कैलाली-कञ्चनपुर सीमामे रहल सुदूरपश्चिमके प्रमुख भन्सार नाका गौरीफन्टासे आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मे रु एक अर्ब २९ करोड ७७ लाख रुपयासे ढेर मूल्यके वस्तु निर्यात हुइल बटै ।

कैलाली भन्सार कार्यालयके अनुसार यैसिक निर्यात हुइल अधिकांश वस्तु कच्चापदार्थ ओ वनजन्य उत्पादनमे सीमित बा, जिहीसे रु एक करोड ८४ लाख ७१ हजार ७२३ राजस्व संकलन हुइल बा । यिहीसे सुदूरपश्चिममे मूल्य अभिवृद्धि कैना उद्योगके विकास हुई नैसकल ओ निर्यात अभिन प्राकृतिक स्रोतमे आधारित रहल डेखल बा ।

भन्सार कार्यालयके अनुसार यहाँसे सबसे ढेर रु ४४ करोड २७ लाख २८ हजार ५०० बराबरके रोजिन तथा रेजिन एसिड निर्यात हुइल बा । ओकरपाछे कत्था रु २१ करोड ६६ लाख ७९ हजार ८४०, वनस्पतिसे प्राप्त हुइना रस तथा अर्क रु १६ करोड ९२ लाख २००, रेपसिड तेल उद्योगके अवशेष (आयल केक) रु १३ करोड एक लाख ५७ हजार ४४८ ओ तरल कत्था रु १२ करोड ७८ लाख ८४ हजार बराबर निर्यात हुइल बा । ओस्टे, टर्पेन्टाइन तेल रु १२ करोड सात लाख ९७ हजार ६००, प्लाइउडमे प्रयोग हुइना भिनियर सिट रु तीन करोड ५७ लाख ४५ हजार ७५८, खयर कत्था रु तीन करोड २९ लाख आठ हजार ओ टास्कजैसिन वस्तु रु दुई करोड १५ लाख ४१ हजार १३६ के निर्यात हुइल बा ।

यीमध्ये अधिकांश वनजन्य स्रोत वा सामान्य प्रशोधनपाछे निर्यात हुइना वस्तु हुइट । उच्च मूल्य अभिवृद्धि हुइल औद्योगिक उत्पादन भर शीर्ष निर्यात सूचीमे नैहुइट ।

यैसिन निर्यात संरचनासे प्रदेशमे उद्योगीकरण कमजोर रहल डेखल बा । स्थानीय कच्चा पदार्थ प्रशोधन करके अन्तिम उत्पादनके रूपमे निर्यात करे सेक्लेसे निर्यातके मूल्य ओ रोजगारी दुनु बहू सेक्ना अवस्था रहल जानकारहुके बटैटै ।

गैल आवमे २०८२/८३ मे कुल रु नौ अर्ब ७१ करोड १५ लाख छ हजार राजस्व उठैना लक्ष्य पाइलमे रु आठ अर्ब ३९ करोड ८५ लाख ६० हजार राजस्व संकलन करल बा । यी लक्ष्यके ८६ दशमलव ४८ प्रतिशत हो । अधिल्ला आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मे भर कार्यालयसे रु ११ अर्ब १६ करोड २६ लाख ३० हजार लक्ष्यमध्ये रु आठ अर्ब ६६ करोड ९८ लाख रुपैयाँ अर्थात् ७७ दशमलव ६७ प्रतिशत राजस्व उठाइल रहे । यी आधारमे लक्ष्य प्राप्तिके प्रतिशतमे गैल वर्षसे यी वर्ष करिब आठ दशमलव ८१ प्रतिशत बिन्दुसे सुधार डेखल बा ।

यहाँ डिजेल, पेट्रोल, एलपी ग्यास, कागज, खाद्य सामग्री, फुड सप्लिमेन्ट, बिटुमिन, लाहिलगायतके वस्तु भारी परिमाणमे आयात हुइल बटै । डिजेल आयातसे केल्ह रु तीन अर्ब ३८ करोड ६० लाख सात हजार ३०९ राजस्व संकलन हुइल बा, जौन कुल राजस्वके ४० दशमलव ३२ प्रतिशत हो । दुसरा स्थानमे रहल पेट्रोल आयातसे रु एक अर्ब ६५ करोड ७० लाख ५९ हजार ६२० अर्थात् १९ दशमलव ७३ प्रतिशत राजस्व प्राप्त हुइल बा । डिजेल ओ पेट्रोलसे केल्ह कुल राजस्वके करिब ६० प्रतिशत योगदान रहल तथ्यांक डेखाइठ ।

ओस्टेक करके एलपी ग्याससे रु ३४ करोड ८२ लाख ३५ हजार ६६८, कागज तथा पेपरबोर्डसे (बाँकी ३ पेजमे)

सुदूरपश्चिम प्रदेशको अत्याधुनिक सुविधा सम्पन्न

निसर्ग हस्पिटल

एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रा.लि.

Advanced Healthcare for all...

विशेषज्ञ डाक्टर तथा ओ.पि.डी सेवाहरु

जनरल फिजिसियन (पेट, छाती, मुटु) रोग विशेषज्ञ केटोले सक्क: पिलाव ९ बजेदेखि रेगुलरी ४ बजेसम्म	रेडियोलोजी विशेषज्ञ केटोले सक्क: पिलाव ९ बजेदेखि रेगुलरी ४ बजेसम्म	न्युरो, गस्त्रोइन्टेस्टिनल, नशा तथा मेरुदण्ड रोग विशेषज्ञ केटोले सक्क: पिलाव ९ बजेदेखि रेगुलरी ४ बजेसम्म	हाडजोर्नी तथा स्पोर्ट्स फिजियोथेरापिस्ट केटोले सक्क: पिलाव ९ बजेदेखि रेगुलरी ४ बजेसम्म
हाडजोर्नी तथा नशारी रोग विशेषज्ञ केटोले सक्क: पिलाव ९ बजेदेखि रेगुलरी ४ बजेसम्म	जनरल तथा ल्याप्रोस्कोपिक सर्जन केटोले सक्क: पिलाव ११:३०-१:३० रेगुलरी ४-४ बजेसम्म	स्ट्री तथा प्रसुति रोग विशेषज्ञ केटोले सक्क: पिलाव ११-१२ रेगुलरी ४-४ बजेसम्म	नवजात शिशु तथा बालरोग विशेषज्ञ केटोले सक्क: पिलाव ९ बजेदेखि रेगुलरी ४ बजेसम्म
नाक, कान, घाँटी तथा थाइरोइड रोग विशेषज्ञ केटोले सक्क: पिलाव ९ बजेदेखि रेगुलरी ४ बजेसम्म	एनेस्थेसिया तथा क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ केटोले सक्क: पिलाव ९ बजेदेखि रेगुलरी ४ बजेसम्म	मुख, अनुहार तथा बडुारा विशेषज्ञ केटोले सक्क: पिलाव ९ बजेदेखि रेगुलरी ४ बजेसम्म	मानसिक तथा नशा रोग विशेषज्ञ केटोले सक्क: पिलाव ९ बजेदेखि रेगुलरी ४ बजेसम्म
छाला, यौन, कुष्ठरोग तथा सौन्दर्य विशेषज्ञ केटोले सक्क: पिलाव ९ बजेदेखि रेगुलरी ४ बजेसम्म	मुगौला तथा मुत्ररोग विशेषज्ञ केटोले सक्क: पिलाव ९ बजेदेखि रेगुलरी ४ बजेसम्म	मुटु रोग विशेषज्ञ केटोले सक्क: पिलाव ९ बजेदेखि रेगुलरी ४ बजेसम्म	

Hasanpur, Dhangadhi-5, Kailali, Nepal

091-527000/01/02, 9865680100, 9804600745

www.nisarghospitalnepal.com
[/nisarghospitalnepal](https://www.facebook.com/nisarghospitalnepal)

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित

सठपाढक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)

कार्यकारी सठपाढक : राम दहित (९८४८४९४५१८)

भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी

पहुणा सठपाढक : कृष्णराज सर्वहारी

व्यवस्थापन सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी

प्रधान कार्यालय: धन.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)

मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)

पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७४०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी

E-mail: dailypahura@gmail.com,

Website: pahura.com

मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, वेहडी, धनगढी

दार्चुलामे मध्य चमेलिया आयोजना निर्माण हुइना

पहुरा समाचारबाट
धनगढी, १३ सावन । सुदूरपश्चिम प्रदेशके जलविद्युत् केन्द्रके रूपमे स्थापित चमेलिया लडियामे थप औरै आयोजना निर्माण हुइना हुइल बा ।

दार्चुला पावर कम्पनी प्रवर्द्धन रहल २८ दशमलव ३० मेगावाट क्षमताके मध्य चमेलिया जलविद्युत् आयोजना उ लडियामे निर्माण हुइ लागल हो । दार्चुलाके अपी नाम्पा संरक्षण क्षेत्रभिट्टर पर्ना आयोजना मार्मा गाउँपालिकामे अवस्थित रहल बा ।

लडिया प्रवाहमे आधारित परियोजनाहे विद्युत् विकास विभागसे २०८१ चैत १३ गते विद्युत् उत्पादन अनुमति पत्र प्रदान करल रहे । आयोजनाके सम्पूर्ण संरचना चमेलिया लडियाके बायाँ किनारमे रहना मेरके प्रस्ताव करल बा ।

उ आयोजनाके पूरक वातावरणीय प्रभाव मूल्याङ्कनके लाग प्रस्ताव हुइल बमोजिम कृषि, वन तथा पर्यावरण मन्त्रालयसे सोम्मारके सार्वजनिक सूचना सार्वजनिक करल बा । उहीसे आघे २०८० चैत ७ गते आयोजनाके वातावरणीय प्रभाव मूल्याङ्कन प्रतिवेदन तत्कालीन वन तथा वातावरण मन्त्रालयसे स्वीकृत करल रहे । ओस्टके, २०८२ पुस २१ मे पूरक वातावरणीय प्रभाव मूल्याङ्कन अध्ययनके लाग सहमति प्राप्त हुइल रहे ।

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ८ स्थित कित्ता नं. १७५८, १७६० क्षेत्रफल १०.२२७ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री टंकप्रसाद जैशिले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईंको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्व: छोटुलाल चौधरी

पश्चिम: सडक

उत्तर: विरेन्द्र बम

दक्षिण: रमेशबहादुर रावल

धनगढी उपमहानगरपालिका

नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर

दक्ष चालक बन्ना सक्नु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनैके ।

सीप सिक्की, स्वरोजगार बनी विद्यार्थी ओ गुपुमे अउईयाहुक्रुनहे विशेष छुटसहित...

हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहरुनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथै फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।

नोट: साथै दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्नु सिकाह विद्यार्थीहुक्रुनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।

धनगढी, चटकपुर कैलाली फोन. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सन्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायट अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपननेनके फे लिख्के पठाइ सेकि । अपनके विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पक्ति, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ ।

-सम्पादक

मनैन्के वास्तविक परिचय

मनैन्के परिचय अनेक बा । वंशानुगत परिचय, जातिगत परिचय, सामाजिक परिचय, भाषिक परिचय तथा अस्टेक अन्य परिचय हुइ सेकि । दार्शनिक पक्षसे हेरके अभिन व्यापक परिचयके व्याख्या पाजाइठ । हिन्दु दर्शनसे मनैन्के मन ओ शरीरहे अस्वीकार करठ । हिन्दु दर्शनके अनुसार व्यक्ति कहल आत्मा हो । शरीर आत्माके आवरण किल हो । ग्रिक दर्शनके अनुसार मनै कलेक तर्कशील ओ विवेकपूर्ण निर्णय करे सेक्ना प्राणी हो । बौद्ध दर्शनसे व्यक्ति अथवा 'मै' हे स्थायी सत्ता नैमानठ, यी परिवर्तनशील प्रक्रिया हो कहठ ।

अस्तित्ववादी दार्शनिक जौ पाल सार्त्रके अनुसार मनै जन्मेबेर कौनो परिचय लेके नैआइठ उ अपन कर्म, निर्णय ओ जिम्मेवारीसे अपन परिचय अपनही निर्माण करठ । सामाजिक दर्शनके अनुसार मनैन्के परिचय केवल व्यक्तिगत नाइहो, परिवार, समाज, भाषा, संस्कृति, इतिहास ओ सम्बन्धसे फेन उ परिचयके निर्णय करठ । 'मै के हूँ ?' कना प्रश्नसँग 'मै केकरसँग सम्बन्धित बटु ?' कना प्रश्न फेन उपस्थित रहठ । यी सब दार्शनिक परिभाषा वा व्यक्तिके परिचयके व्याख्या कौन ठिक कहिके विश्लेषण करना यी लेखके मनसाय नाइहो । यी सब परिभाषा अपनअपन दर्शन ठिक हुइ । खासमे मनैन्के परिचय का हो टे ? मनैन्के परिचयके दार्शनिक व्याख्यासे अलग रहिके मनैन्के परिचय खोज्न प्रयास यी लेखमे करल बा ।

प्रत्येक मनैन्के एक नाम रहठ । मनै जन्मेबेर कौनो नाम लेके नैजन्मठ, मने जन्म लेहलपाछे उ बाबाडाइ वा नामकरण करना पुरोहित उ बेनामके मनैन्हे नाम देहठ ।

अस्तित्ववादी दार्शनिक जौ पाल सार्त्रके अनुसार मनै जन्मेबेर कौनो परिचय लेके नैआइठ उ अपन कर्म, निर्णय ओ जिम्मेवारीसे अपन परिचय अपनही निर्माण करठ । सामाजिक दर्शनके अनुसार मनैन्के परिचय केवल व्यक्तिगत नाइहो, परिवार, समाज, भाषा, संस्कृति, इतिहास ओ सम्बन्धसे फेन उ परिचयके निर्णय करठ । मै के हूँ ? कना प्रश्नसँग ...मै केकरसँग सम्बन्धित बटु ? कना प्रश्न फेन उपस्थित रहठ । यी सब दार्शनिक परिभाषा वा व्यक्तिके परिचयके व्याख्या कौन ठिक कहिके विश्लेषण करना यी लेखके मनसाय नाइहो । यी सब परिभाषा अपनअपन दर्शन ठिक हुइ । खासमे मनैन्के परिचय का हो टे ? मनैन्के परिचयके दार्शनिक व्याख्यासे अलग रहिके मनैन्के परिचय खोज्न प्रयास यी लेखमे करल बा । प्रत्येक मनैन्के एक नाम रहठ । मनै जन्मेबेर कौनो नाम लेके नैजन्मठ, मने जन्म लेहलपाछे उ बाबाडाइ वा नामकरण करना पुरोहित उ बेनामके मनैन्हे नाम देहठ ।

परिचय डेहठ । प्रायः अधिकांशसे डेहल परिचय यिहे हो । का हप्पे यी परिचयके बारेमे कबु गम्भीरतापूर्वक सोचल बटि कि हमार डेहल परिचय हमार वास्तविक परिचय हो कि नाइ ? यदि कौनो दार्शनिक वा कौनो महात्मासे मोर परिचय पुठि कलेसे मै मोर नामसे परिचय डेलेसे उ पुठठ कि, “अप्ने रेवतीप्रसाद हो कि रेवतीप्रसाद अप्नेक नाम किल हो ?” कहि कलेसे मोर का उत्तर हुइ ? निश्चय रेवतीप्रसाद मार नाम किल हो, जोन मोर पितासे वा नामकरण करना पुरोहितसे डेहल हो ।

औरे डिन नाम किलसे मोर सक्कु परिचय कैसिक हुइ सेकि ? पितासे डेहल नामसे मोर व्यक्तित्वके परिचय हुइ सेकि कलेसे पितासे महिन घर, जग्गा, खेत, बारी, सुन, चाँदी आदि डेले बा, का उहिनसे फेन मोर परिचय हुइ सेकि ? निश्चय फेन नैसेकि । नाम किल व्यक्तिके वास्तविक परिचय हुइ नैसेकि, उ नामसे सम्बन्धित व्यक्तिके कर्म तथा कर्मके परिणामके व्याख्या नैकरठ । व्यक्तिके वास्तविक परिचय का हो टे ? व्यक्तिके वास्तविक परिचय उ कर्म हो । जीवनमे व्यक्तिके लेहल मजा नैमजा निर्णय ओ उ निर्णयसे सम्पादित मजा नैमजा कर्मके परिणामके जिम्मेवारी वहन व्यक्तिके वास्तविक परिचय हो । उ कैसिन कर्म करले

बा, ओहे कर्मसे ओकर परिचय डेहल । कौनो व्यक्तिके चोरी करि कलेसे ओकर परिचय चोर हो । ओकर नाम कटिकिल ओकर नामसँग ओकर चोरी कर्म साथ लेके आइ । कौनो व्यक्ति मनैन्हे असल उपदेश दिइ, परोपकारी बा, सबके मजा कामना करि कलेसे ऊ साधु, महात्मा कहलाइ, ओकर नामसँग महात्मा फेन साथ लेके आइ । मनैन्के वास्तविक परिचय मनैन्के कर्म हो । अस्तित्ववादी दार्शनिक जौ पाल सार्त्रके अनुसार अस्तित्व सारसे पहिले आइठ । मनै पूर्ण रूपमे स्वतन्त्र बा । मनै अपन निर्णयसे अपनहे निर्माण करठ । अपन निर्णयके जिम्मेवारी फेन

विचार रेवतीप्रसाद भुसाल

कौनो फेन कर्म करनासे पहिले का कर्म करना कना निर्णय करे परठ मने निर्णय किल अपनमे परिणाम नाइहो । उ निर्णयसे हप्पिहिनहे कैसिन कर्म कराइठ, उ कर्म परिणाम हो । व्यक्ति निर्माण करना निर्णय महत्वपूर्ण बा, मने उ निर्णयसे हमार कैसिन कर्म करठि, उ कर्मसे हमार पहिचान स्थापित करठ । मानी, व्यक्तिके शिवमन्दिर बनैना निर्णय करल । ओकर मन्दिर निर्माण करि कलेसे ऊ धर्मपरायण तथा मन्दिरके निर्माता व्यक्ति कहल बा । बनैना निर्णय टे करल मने कौनो कारणवश मन्दिर बनैना असफल हुइ कलेसे अर्थात् निर्णय कार्यान्वयन नैहुइ कलेसे ऊ मन्दिरके निर्माता बने नैसेकि । व्यक्तिके पहिचान बन्न निर्णय कार्यान्वयन हुइ परठ अर्थात् व्यक्तिके कर्म सम्पादित हुइ परठ । उ सम्पादित कर्म व्यक्तिके परिचय हो । कर्म जत्रा चिरस्थायी रहठ, मनैन्के परिचय फेन ओत्रे दीर्घजीवी रहठ ।

छोटओट कर्म टे हप्पे करठि रठि, उकारण अल्पकालीन परिचय सबके रहठ मने दीर्घकालीन परिचय कम मनैन्के किल बनल रहठ । दीर्घकालीन परिचय बन्न कर्म असल हुइ परठ कना नैरहठ । असल कर्म हुइलमे सुप्रसिद्ध पहिचान बनठ, खराब कर्म हुइलमे कुछयात पहिचान बनठ । दोसर विश्वयुद्धके दुई प्रमुख व्यक्ति विन्स्टन चर्चिल ओ एडोल्फ हिटलर यी दुनुके नाम प्रायः सबहे पाटा बा । ओम्ने फेन हिटलर और ढेर सम्भ्राजाइठ, मने यकर परिचय फरक बा । चर्चिल नायकके रूपमे सम्भ्राजाइठ कलेसे हिटलर प्रतिनायकके रूपमे । स्वाभाविक रूपमे चर्चिल सुप्रसिद्ध बटै, हिटलर कुछ्यात बटै ।

हमार देशमे नेपाल एकीकरणके नेतृत्व करल ओरसे पृथ्वीनारायण शाह अमर बनल बटै । जहानियाँ शासनसे जनताहे मुक्ति डेहठ जनक्रान्तिके नेतृत्व करल कारण बिपी कोइराला अमर बटै । नेपाली भाषामे रामायण अनुवाद कैके भानुभक्त आचार्य आदिकविके रूपमे अमर बटै । महाकविके रूपमे लक्ष्मीप्रसाद देवकोटा, कविशिरोमणिके रूपमे लेखनाथ पौड्याल अमर बनल बटै । सुम्निमा, तीन घुम्ती, नरेन्द्रदाइ, मोदिआइन जैसिन उपन्यास ओ 'दोषी चस्मा', 'श्वेत भैरवी' जैसिन कथासे विश्वेश्वरप्रसाद कोइराला अमर बटै । शिरीषके फूल उपन्याससे पारिजातहे ओ सेतो बाघसे डायमन्डशमशेर राणा अमर बनल बटै । कैयौ व्यक्ति अपन सुकर्म ओ कृतिके कारण हमारबिच दीर्घपरिचित बनल बटै । मनैन्के वास्तविक परिचय नाम नाइहो, कर्म हो । नाम टे कर्मके कता के हो कना पहिचानके लाग किल हो । कर्म क्षुद्र बा कलेसे नाम फेन क्षुद्र बनठ, कर्म महान् बा कलेसे नाम फेन महान् बनठ । अपन परिचय कैसिन बनैना कना निर्णय करना कलेसे मनै स्वतन्त्र बा ।

साभार: गोरखापत्र दैनिकसे

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस नगरपालिकाको वडा नम्बर ३ मालाखेती स्थित कित्ता नं. ११४१ क्षेत्रफल १६९.३१ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री सन्तोष सिंह महरले यस नपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईंको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्व: केशव बहादुर आशी

पश्चिम: सडक

उत्तर: सन्तोष सिंह महर

दक्षिण: लालबहादुर थापा

गोदावरी नगरपालिका

नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, अत्तरिया, कैलाली

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस नगरपालिकाको वडा नम्बर ८ जोनापुर स्थित कित्ता नं. ४६२ क्षेत्रफल १६९.३१ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री पम्फाकुमारी ताडीले यस नपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईंको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्व: कृष्ण बोहरा

पश्चिम: अमिता चौधरी

उत्तर: सडक

दक्षिण: सितारदेवी चौधरी, रामप्रसाद चौधरी र समिर चौधरी

गोदावरी नगरपालिका

नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, अत्तरिया, कैलाली

विधि विज्ञान प्रयोगशालामे ल्यन्ना अधिकांश नमूना लागुऔषधके

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १३ सावन । धनगढीस्थित विधि विज्ञान प्रयोगशालामे परीक्षणके लग आइना अधिकांश नमूना लागुऔषधसंगे सम्बन्धित रहल पाइल बा ।

आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मे प्रयोगशालामे परीक्षण करल कुल एक हजार ७९ नमूनामध्ये एक हजार ३३ अर्थात् ९५ दशमलव सात प्रतिशत केमिस्ट्री ओ नार्कोटिक्स (लागुऔषध) सम्बन्धी बटै । प्राप्त विवरणानुसार एक वर्षमे एक हजार ९४ नमूना परीक्षण सम्पन्न हुइल रहे । तीमध्ये केमिस्ट्री ओ नार्कोटिक्सके एक हजार ३७ नमूना रहल कार्यालय प्रमुख वीरेन्द्र चौधरी जानकारी देलै ।

ओस्टेक विवादित प्रलेखसम्बन्धी ४१ केस प्राप्त हुइ ४५ परीक्षण, डिप्लोएसम्बन्धी तीन केस प्राप्त हुइ नौ ठो नमूना परीक्षण ओ

बायोलोजी/सिरोलोजी ओ वन्यजन्तु शाखामे दुई केस प्राप्त हुइ तीन नमूना परीक्षण सम्पन्न हुइल बटै । आबके अन्तिम अर्थात् असार महिनामे किल ९१ लवा केसमे एक सय नौ नमूना परीक्षण करल बटै ।

उ मध्ये ८९ केसके एक सय चार नमूना लागुऔषधसम्बन्धी रहल बटै । राष्ट्रिय विधि विज्ञान प्रयोगशालाके आव २०८१/८२ के वार्षिक प्रतिवेदनसेफे धनगढी शाखामे लागुऔषधसम्बन्धी परीक्षणके चाप उच्च रहलके देखाइल बा । गत आवमे शाखामे एक हजार ३३६ केसके तीन हजार ३८० नमूना प्राप्त हुइल रहे ।

उ मध्ये एक हजार २६९ केस (करिब ९५ प्रतिशत)लागुऔषध सम्बन्धी, ३१ बायोलोजी ओ डिप्लो ओ ३६ विवादित प्रलेखसम्बन्धी रहे । प्रतिवेदनानुसार कैलाली, कञ्चनपुर, डडेल्धुरा, बैतडी, दाचुलालगायत

सुदूरपश्चिमका जिल्ला किल नैहुड कर्णाली ओ लुम्बिनी प्रदेशसे समेत लागुऔषधके नमूना परीक्षणके लग धनगढी शाखामे आइना करल बटै ।

प्रयोगशालासे लागुऔषध, डिप्लो, जैविक नमूना ओ विवादित कागजातके वैज्ञानिक परीक्षण करके प्रहरी, अदालत ओ अन्य अनुसन्धान निकायहे प्रमाणमे आधारित अनुसन्धान ओ न्याय सम्पादनमे सहयोग पुऱ्याइटी आइल कार्यालय प्रमुख चौधरी बटैलै । लागुऔषध कारोबार ओ ओसारपसारके घटनामे वैज्ञानिक प्रमाणके महत्व बढ्ती जाइना प्रयोगशालामे आइना नमूनाके सत्यापन निरन्तर बढ्ती रहल उहाँके कहाइ बा ।

“प्रयोगशालामे आइना अधिकांश केसहे लागुऔषधके रहलके बटै कह्ती उ केस प्रहरीमार्फत आइठ । प्रयोगशाला विस्तारपाछे सुदूरपश्चिममे लागुऔषध

नियन्त्रण, अनुसन्धान ओ अभियोजनके लग वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध करल प्रयोगशालाके भूमिके निरन्तर बढ्ती गिल बा,” चौधरी कहलै ।

प्रयोगशालासे आव २०८१/८२ से डिप्लो परीक्षण सेवासमेत देहल बा । एकरासे पितृत्व ओ जैविक नाता निर्धारण, व्यक्ति पहिचान, वन्यजन्तु अपराध ओ अन्य जटिल घटनाके वैज्ञानिक विश्लेषण कैना सहज हुइल बा ।

सरकारके हरेक प्रदेशमे विधि विज्ञान प्रयोगशाला स्थापना कैना नीतिअनुसार आव ०७६/७७ के अन्त्यतिर धनगढीमे शाखा कार्यालय विस्तार हुइ आव २०७७/७८ से कार्यारम्भ हुइल रहे । उ नमूना परीक्षणके लग काठमाडौं पठाइकपर्ना बाध्यताके अन्त्य हुइ लागत ओ समयके बचत हुइनाके साथे न्यायसम्पादनमे समेत टेवा पुगल जनैले बा ।

घाँस काट्ना क्रममे पठरा लागके महिलाके मृत्यु

पहुरा समाचारदाता
बैतडी, १३ सावन । बैतडीमे घाँस काट्ना क्रममे पठरा लागके एक जानेक मृत्यु हुइल बा ।

मृत्यु हुइलमे दशरथचन्द नगरपालिका-१ के २२ वर्षीया अस्मिता भट्ट रहल जिल्ला प्रहरी कार्यालयके प्रवक्ता प्रहरी निरीक्षक सुरज सिंह जानकारी देलै । उहाँके अनुसार आज बिहान करिब ९:३० बजे सुन्या गाउँपालिका-२ कैलडाँडा क्षेत्रमे घाँस काटि रहल बेला उपरसे गिरल पठरा लागके भट्टके घटनास्थलमे मृत्यु हुइल रहे । घटनाबारे अनुसन्धान हुइती रहल प्रवक्ता सिंह बटैलै ।

प्राकृतिक स्रोतमे...

३६ करोड ९८ लाख ६१ हजार १३८, दालमोठ, पापड, भुजियालगायतसे रु १०, फुड सप्लिमेन्टसे रु नौ करोड नौ लाख छ हजार ९८५, पेट्रोलियम बिटुमिनसे रु आठ करोड ७७ लाख ८७ हजार ५६, लाही रु सात करोड ३९ लाख ८६ हजार २३८, एभिएसन टर्बाइन इन्धन रु पाँच करोड ५३ लाख ३२ हजार ९४० रु बेकरीजन्य वस्तु आयातसे रु पाँच करोड १४ लाख ८८ हजार ८८९ राजस्व सकलन हुइल कार्यालयके सूचना अधिकारी प्रकाश तिमिल्सिना जानकारी देलै ।

अन्तर्राष्ट्रिय

कंगोमे इबोला संक्रमण तीन हजार नाघल



पहुरा समाचारदाता

काठमाडौं, १३ सावन । डेमोक्रेटिक रिपब्लिक अफ कंगोमे फैलल इबोलाके १७औं प्रकोप तीव्र बनल बा ।

अधिकारीहुकनके अनुसार संक्रमितके संख्या तीन हजार नाघल बा कलेसे मृत्यु हुइनाके संख्या एक हजार ३५४ पुगल बा । बिटल १० दिनमे थप एक हजार नयाँ संक्रमण पुष्टि हुइल ओरसे स्वास्थ्य निकायके चिन्ता बहल बा । गैल मे १५ मा घोषणा करल यी प्रकोप इबोला भाइरसके बुन्डिबुग्यो स्ट्रेनके कारण फैलल हो । बुन्डिबुग्यो स्ट्रेनके लाग हालसम स्वीकृत खोप वा प्रभावकारी उपचार उपलब्ध नैहो ।

जुलाई १५ मे सङ्क्रमितके संख्या दुई हजार पुगल रहे कलेसे अब्बे पाँच प्रान्तमे फैलल प्रकोपसे कुल तीन हजार ७५ सङ्क्रमण पुष्टि हुइल सरकारी तथ्यांकसे देखाइल बा ।

अधिकारीसे परीक्षण ओ संक्रमितके पहिचान प्रणाली सुधारल ओरसे थप संक्रमित फेला पर बटाइल बा ।

विश्व स्वास्थ्य संगठनके अनुसार दक्षिण सुडान ओ युगान्डाके सीमासंग जोरल उत्तरपूर्वी इटुरी प्रान्तमे करिब ९० प्रतिशत सङ्क्रमित मिलल बा ।

दशकौंसे हिसाग्रस्त पूर्वी कंगोमे फैलल यी महामारी और ढेर महिना लम्बे सेक्ना आकलन करल बा ।

यीबीच तलबके माग करटि स्वास्थ्यकर्मीहुके करल हडतालके कारण कुछ अस्पतालमे उपचार तथा नियन्त्रण अभियान प्रभावित हुइल अधिकारीहुके जनैले बटै ।

शारीरिक तरल पदार्थके सम्पर्कसे सर्न इबोलासे रक्तसावी ज्वरो कराइठ । बिटल ५० वर्षमे अफ्रिकाभर यी रोगके कारण १५ हजारसे ढेर मनैके मृत्यु हुइल बा ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्भौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १९,५५०/- अनिवार्य रुपमा कायम गरौं/गराऔं ।
- समान कामको समान ज्याला लैगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैगिक हिंसाको अन्त्य गरौं ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा वण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौं व्यवसायजन्य रोग लागनबाट बचौं ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।



श्रम तथा रोजगार कार्यालय

धनगढी, कैलाली

कोहलपुरमे सेफ्टी ट्याङ्कीमे फस्के तीन जानेक मृत्यु

पहुरा समाचारदाता

नेपालगन्ज, १३ सावन । बाँकेके कोहलपुरमे निर्माणाधीन सेफ्टी ट्याङ्कीभितर फस्के उटमुटाके तीन जानेक मृत्यु हुइल बा ।

जिल्ला प्रहरी कार्यालय बाँकेके सूचना अधिकारी प्रहरी नायब उपरीक्षक प्रतिसिंह राठौरके अनुसार कोहलपुर नगरपालिका-३ शान्तिटोलस्थित दयाप्रसाद थारुके निर्माणाधीन घरके आँगनमे बनैटी रहल सेफ्टी ट्याङ्कीमे बुधके सकारे फस्के उहे वडाके तीन जाने मजदुर मृत अवस्थामे फेला परल हुइठ । मृत्यु हुइलमे कालु थारु, प्रकाश थारु ओ बिर्जा थारु रहल बटै । उहाँहुके मिस्त्री तथा मजदुरीके काम करटी रहल बेला



सेफ्टी ट्याङ्कीभितर फसल प्रारम्भिक जानकारी प्रहरी डेले बा । प्रहरी नायब उपरीक्षक राठौरके अनुसार सेफ्टी ट्याङ्कीमे मनै फसल सूचना प्राप्त हुइटी की इलाका प्रहरी कार्यालय कोहलपुरके प्रमुख प्रहरी नायब उपरीक्षक चक्र डम्बरपालके नेतृत्वमे १५ सदस्यीय प्रहरी टोली घटनास्थल

पुगल रहे । प्रहरीसे जेसीबीके सहायतासे सेफ्टी ट्याङ्की फुटाके सकारे करिब १० बजे तीन जानेक शव बाहेर निकारल हो । मृतकहुकनके शव पोस्टमार्टमके लाग भेरी अस्पताल, नेपालगन्ज पठाइल बा । घटनाबारे थप अनुसन्धान हुइटी रहल इलाका प्रहरी कार्यालय कोहलपुर जनैले बा ।

नेपालमे बाघ...

क्यामेरा प्रयोग करल रहे ।

संख्या बहलसंगे व्यवस्थापनमे चुनौती

नेपालमे बाघके संख्या लक्ष्यसे ढेर वृद्धि हुइलसंगे यकर व्यवस्थापन, मानव-बाघ द्वन्द्व, बासस्थानलगायत विविध चुनौतीसमेत डेखल बटै । मध्यवर्ती क्षेत्रके स्थानीय घाँस काठी, कोचिया ओ गाईभैंस चराई जैना क्रममे बाघके आक्रमणमे पर्ना करल बटै ।

ओस्टे कतिपय अवस्थामे बाघके चोरी सिकारी हुइना, स्थानीय जनताके आक्रोशके निशानामे पर्ना ओ भारी तथा लामा पूर्वाधारमे वारपार कैना क्रममे बाघ मर्ना क्रमफे ओटरो बा ।

बाघके सत्याके वृद्धि हुइलसंगे यकर आवश्यक संख्याके बारेमे बहससमेत सुरु करल बा । तत्कालके

वातावरणीय क्षमताके हिसाबसे नेपालमे बाघके संख्याके ‘धन्ना क्षमता’ (क्यारिड क्यपासिटी) ४०० हाराहारी रहल पछिल्ला अध्ययनसे डेखैले बा । समस्याग्रस्त बाघके लाग ‘टाइगर सेन्चुरी’ बाघके संख्यासंगे राष्ट्रिय निकुञ्ज, संरक्षण क्षेत्र ओ आसपासके क्षेत्रमे समस्याग्रस्त बाघके समस्याके बहल बा । मुलुकभर समस्याग्रस्त बाघके हाल संख्या १६ रहल बा ।

मानव बस्तीमे पैठल, मानव तथा घरपालुवा जनावरहे आक्रमण करल ओ घाहिल अवस्थामे भेटल समस्याग्रस्त बाघहे उद्धार करके खोरमे रखन करल बा ।

हाल चितवन ओ बर्दिया राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा ललितपुरके जावलाखेलस्थित सदर चिडियाखाना पाँच-पाँच, बाँके राष्ट्रिय निकुञ्जमे एक

बाघ खोरमे राखल बटै । दुःखमे परल बाघके दैनिक आहारा, हेरचाह, उपचार ओ अन्य व्यवस्थापनमे बर्सेनि भारी रकम खर्च हुइटी आइ बा ।

यिहे विषयहे मध्यनजर करटी मन्त्रालयसे अध्ययन करके समस्यामे परल बाघके व्यवस्थापनके लाग चितवनके देवनगरमे ‘टाइगर सेन्चुरी’ योजना आघे बहाइल बा ।

हाल देशभर १६ समस्याग्रस्त बाघ ‘इन्क्वोजर’मे धारल बा । ओइनके व्यवस्थापन खर्चहा बन्ती गैल पृष्ठभूमिमे सरकारसे देवनगरमे करिब ५२ हेक्टर क्षेत्रफलमे ‘टाइगर सेन्चुरी’ बनैना योजना आघे बहाइल हो ।

मन्त्रालयसे ‘टाइगर सेन्चुरी’ निर्माण हुइलेसे समस्याग्रस्त ओ घाहिल बाघसे प्राकृतिक वातावरण पैना केल्ह नैहुके पर्यापर्यटनमे समेत भारी टेवा पुन विश्वास लेहल बा ।

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको



संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराइड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराइड रोगको उपचार तथा परामर्श
- भिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुस्के, पेट दुस्के समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुस्के तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ८ देखि साँझ ५ बजेसम्म)



डा. सुमन चौधरी

MBBS, MD (KU)

NMC No: 15308

कन्सल्टेन्ट फिजिसियन



धनगढी

संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

९ (राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) ७ सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९३२१०५

सर्पदंशके घटना बहटी

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १३ सावन । सुदूरपश्चिम प्रदेशके विशेष कैके तराईमे सर्पदंशके घटनामे बढोत्तरी हुइल बा ।

इ बेला तालतलैया, कुलुवा लगायतमे पानी भरलपाछे साँपनके बिगबिगी डेख परे लागल हो । सावन ११ गते किल इ प्रदेशमे सात जनहनहे साँप कटले बटै । जौन मध्ये, एक जनहनके मृत्यु हुइल बा कलेसे औरे घाहिल हुइल बटै । ओइनके उपचार हुइटी रहल प्रदेश आपतकालीन कार्य सञ्चालन केन्द्र जानकारी डेले बा ।

केन्द्रके अनुसार सावन महिनाके हालसम सर्पदंशके २० ठो घटना घटल बा । जौन, अन्य विपत्तिके घटनामध्ये सबसे ढेर हो । साँप काटल २० मध्ये एक महिला ओ एक पुरुष सहित दुई जनहनके ज्यान गेल बा । नौ महिला ओ नौ पुरुष सहित १८ जाने घाहिल हुइल जनाइल बा । विषालु साँप काटेबर समयमे अस्पताल पुगैना लापरवाही वा ढिलाइ करेबर ज्यान जैना करल जनाइल बा । गोमन साँप काटलमे जटरा सेक्ले हाली उपचारके लाग अस्पताल पुगाइ पनाँ साँपनके जानकारी वा साँप उद्धारकर्मी बटैना करल बटै । ओइनके अनुसार विषालु साँप काटलमे उपचार करैना ढिला हुइलमे बिरामीके ज्यान जैना करल बा । ओस्टके, ग्रामीण क्षेत्रके अधिकांश मनै अभिन फेन सर्पदंशके उपचार



कराइक लाग धामी, भक्तीके भर पनाँ करल कहटी कैलालीके टीकापुरके साँप उद्धारकर्ता लक्ष्मण उपाध्याय ओइसीक नैकैके उपचारके लाग समयमे अस्पतालमे जाइ पनाँ बटैलै ।

उहाँ सर्पदंशके उपचार सरकारी अस्पताल ओ सर्पदंश उपचार केन्द्रबाहेक अन्यत्र सम्भव नैरहल उल्लेख करलै ।

उद्धारकर्मी उपाध्यायके अनुसार गोमन साँप कबुकाल किल घरओर आके कटना करल बटै । मने, करेत साँप १० प्रतिशतसे ढेर घरभिट्टर कटन करल उहाँके कहाइ रहल बा । गोपन साँप काटलमे मनैनके मल्लिस्कमे असर कैना करल जनैटी उहाँ कहलै, “आधी घण्टाभितरे सरकारी अस्पतालमे पुगाइ नैसकैलेसे मनैनके

शरीरमे विष लगभग ढेर फैलसेकल रहल ।”

साँपनके कटाइसे बचक लाग रातके मजासे भुल लगाके किल सुटना उद्धारकर्मीके आग्रह रहल बा । ओस्टके, रातके कहँरो जैना परलमे टर्चलाइट बालके नेगे पनाँ उहाँहुके बटैलै । ओस्टके जुत्ता ओ पाइन्ट लगाके किल रातके बाहर निकरे पनाँ उद्धारकर्मीनके कहाइ रहल बा ।

अन्धारमे साँप आपन खानाके खोजीमे निकरना करल ओरसे अन्धारमे नेगेबर जोखिम रहना करल जनाइल बा । घरमे रहल मुस खाइक लाग विषालु साँप गोमन, करेत, अविषालु साँप धमला मनैनके घरओर अइना करल जनाइल बा ।

एक दशकमे फेन नैबनल पुल

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १३ सावन । शिवगङ्गा लडियामे दशकआधेसे पुल बना खबर सुनल पथरीके हेम चौधरीके कानमे अठबे फेन उहे खबर गुन्जटी रहल बा ।

उ बेला पुल बना खबरसे खुसी हुइल उहाँ अठबे भर वाक्कदक्क होसेकल बटै । आब बनी, इ बरस बनी कहिके सक्कु काम आधे बहाइल शिवगङ्गा नदी पुल एक दशकसम नैबनलपाछे चौधरीलगायत स्थानीयवासी दिग्दार हुइल बटै । चौधरी कहलै, “आब टे जैसिक फेन बनी कहिके ठेकेदार काम सुरु करै ।

एक/दुई साता काम करल जस्टे डेखजाइट फेनसे बेपत्ता होजै । अस्टे चालासे १० बरस बिटसेकल । पुल कब बनी कना कौनो अतोपत्तो नैहो ।

कैलालीस्थित धनगढी उपमहानगरपालिका-१७ के पथरी ओ वडा नम्बर १६ मे रहल प्रसिद्ध धार्मिक स्थल बेहडाबाबा मन्दिर जोनाँ शिवगङ्गा पुल नैबनलपाछे स्थानीयसहित

ओहोरदोहोर कैना सक्कुजाने सास्ती खेप्टी रहल बटै । बर्खा लागेबर लडियामे दुङ्गाके सट्टा बयलगाडा (गोरुगाडा) चलाइ परल । पुल नैहुइलपाछे ओहोरदोहोर कैना मनैनहे स्थानीय बयलगाडामे लडिया वारपार करैना करल बटै ।

उ बापत उहाँहुके मोटरसाइकल सहितके व्यक्तिके एक सय रुपियाँ लेना करल बटै । पुल नैहोके बर्खायामे ढेर दुःख खेप्नु परल पथरीके निर्मल चौधरी बटैलै । निर्माण कम्पनीसे तदारुकताके साथ काम नैकरेबर पुल बने नैसेकल स्थानीयके कहाइ रहल बा ।

स्थानीय यज्ञराज चौधरी लापरवाही करइया ठेकेदारहे कारबाही हुइ पनाँमे उल्टै घरी घरी म्याद थप कैना कैके जनता भुक्क्याइना कार्य हुइटी रहल ओरसे आक्रोश व्यक्त करलै ।

पुल निर्माणके लाग धनगढीके चन्द्रशेखर मल्लके पप्पु एडभेन्चर जेभी २०७४ असार २७ गते ठेक्का पाइल रहे । २०७७ असार २५ गतेभितरे पुल निर्माण कैना सम्भौता करल रहे मने

निर्माण कम्पनीसे अठबेसम लोड जाँचबाहेक कुछ काम करल नैहो ।

यद्यपि कम्पनी ३० प्रतिशत काम पूरा हुइल कहटी आधेक आर्थिक बरसमे तीन करोड १३ लाख ७२ हजार रुपियाँ भुक्तानी लेसेकल बा ।

सडक डिभिजन कार्यालय महेन्गरके अनुसार १६० मिटर लम्मा पुल निर्माणके लाग १४ करोड २६ लाख रुपियाँमा ठेक्का सम्भौता हुइल रहे । आब नयाँ डिजाइन बनाके काम आधे बहना सडक डिभिजन कार्यालयके प्रमुख इन्जिनियर राजेशकुमार यादव बटैलै । उहाँ कुछ दिनआधे लोड टेस्ट होसेकल जनैटी कहलै, “आब बर्खा ओराइलपाछे दुई महिनाभितरे काम सुरु हुइल इ बेर पुल अवश्य बनीर ।”

उहीसे आधे १७ ठो पाइलमध्ये एक पाइल काम नैकरल कारण डिजाइन परिवर्तन कैके काम आधे बहाइ पनाँ अवस्था आइल कम्पनी जनैले बा । २०७७ से म्याद थप हुइटी आइल पुलके आगामी म्याद जेठ मसान्तसम रहल इन्जिनियर यादव बटैलै ।

३ लाख ५० हजारके सामान नियन्त्रण

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १३ सावन । कैलाली ओ कञ्चनपुरके अलग ठाउँसे ३ लाख ५० हजार बराबरके सामान नियन्त्रणमे लेहल बा ।

कैलालीके भजनी न.पा. ५ गुलरियाघाँट लग्गसे जंगलसे अवैध रूपमे भारतसे भन्सार छलि करके ल्यानल रु.३ लाख ४ हजार बराबरके सामान नियन्त्रणमे लेहल बा ।

इलाका प्रहरी कार्यालय भजनी, कैलालीसे खटल प्रहरीसे ओटरा बराबरके सामान नियन्त्रणमे लेहल हो ।

ओस्टेक करके कञ्चनपुर दोधारा चाँदनी न.पा.७ कञ्चनपुरसे अवैध रूपमे भारतसे भन्सार छलि करके ल्यानल रु.४६ हजार ४ सय बराबरके सामान पक्राउ करल हो । इलाका प्रहरी कार्यालय दोधारा चाँदनी, कञ्चनपुरसे खटल प्रहरीसे ओटरा मोल बराबरके बोइलर नियन्त्रणमे लेके नष्ट करल हो ।

“लैडिगक समानताके लाग समान सोच ओ व्यवहारः समृद्धिके आधार”

लागु औषध सहित ६ जाने पक्राउ

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १३ सावन । कैलाली गौरीगंगा न.पा.४ से अवैध लागुऔषध खैरो हेरोइन १० ग्राम ८०० मिलिग्राम सहित दुई जाने पक्राउ परल बटै ।

कैलाली गौरीगंगा न.पा. ४ बैठना वर्ष २५ के सुरेन्द्र बहादुर धामी ओ जिल्ला कैलाली गौरीगंगा न.पा. १ लठैया बैठना वर्ष २१ के सन्तोष रानामगरहे प्रहरी पक्राउ करले बा ।

इलाका प्रहरी कार्यालय मालाखेती, कैलाली ओ लागु औषध व्यूरो धनगढी, कैलालीसे संयुक्त खटल प्रहरी टोलीसे दुनु जनहनहे उ पदार्थ ओ नेपाली रुपया ३७ हजार १५० सहित पक्राउ करल बा ।

ओस्टेक करके टीकापुर न.पा. ३ रामपुरसे अवैध लागुऔषध खैरो हेरोइन १ ग्राम १८० मिलिग्राम सहित जिल्ला कैलाली टीकापुर न.पा. ३ रामपुर बैठना वर्ष २६ के प्रशान्त चौधरी, वर्ष १९ के समिर चौधरीहे प्रहरी पक्राउ करले बा । इलाका प्रहरी कार्यालय टीकापुर, कैलालीसे

खटल प्रहरी दुनु जनहनहे उ सहित पक्राउ करले बा । ओस्टेक करके कञ्चनपुरके भीमदत्त न.पा. ११ होल्डिङ सेन्टर स्थित जिल्ला कञ्चनपुर भीमदत्त न.पा.१८ कटान बैठना वर्ष ३१ के प्रदिप नाथसे चलाइल म २ प ४२६७ नं के मोटरसाइकलहे शंका लागके चेकजाँच करेबर ओइन थैनसे ७२ पिस एम्पुलसहित प्रहरी पक्राउ करले बा । इलाका प्रहरी कार्यालय गडडाचौकी, कञ्चनपुरसे खटल प्रहरी मोटरसाइकल ओ उ पदार्थ सहित ओइनहे पक्राउ करल बा ।

ओस्टेक करके कञ्चनपुर भीमदत्त न.पा.०७ बैद्यनाथ स्थितसे अवैध लागुऔषध खैरो हेरोइन २ ग्राम ३० मिलिग्राम सहित हल्दुखाल बैठना वर्ष २२ के निशान्त चन्दहे प्रहरी पक्राउ करले बा ।

जिल्ला प्रहरी कार्यालय कञ्चनपुर ओ लागु औषध व्यूरो महेन्गर, कञ्चनपुरसे संयुक्त खटल प्रहरी उहाँहुकनहे उ पदार्थ सहित पक्राउ करले बा । यी सम्बन्धमे प्रहरी आवश्यक अनुसन्धान करटी रहल बा ।

विपद् जोखिम न्यूनीकरणको पूर्वतयारी गरौं

- ❖ वर्षाको समयमा बाढी पहिरो तथा चट्याङ्गको जोखिम हुन सक्छ,
- ❖ सम्भावित जोखिमको मूल्यांकन गरौं, सचेत बनौं,
- ❖ जोखिमयुक्त स्थानमा नवसौं, सुरक्षित स्थानमा बसौं,
- ❖ नदि किनारा वा भिरालो जमिनमा बसोबास भएकाहरु विशेष सतर्क रहौं,
- ❖ सम्भावित जोखिमबाट बच्न आपतकालीन पूर्वयोजना बनाऔं,
- ❖ घर परिवार र छिमेकीहरूसँग मिलेर सुरक्षित स्थानको पहिचान गरौं,
- ❖ सम्पर्क बिन्दुहरु तय गरौं, सूचना प्रणालीमा आवद्ध होऔं,
- ❖ खाद्यान्न, पानी, प्राथमिक उपचार सामग्री, टर्चलाइट र आवश्यक औषधि आदि तयारी अवस्थामा राखौं,
- ❖ प्रकोप व्यवस्थापन तालिम तथा अभ्यासमा सहभागी बनौं,
- ❖ बालबालिका, वृद्धवृद्धा र अपाङ्गता भएका व्यक्तिको सुरक्षामा ध्यान दिऔं ।



कैलाली गाउँपालिका

गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

Provide Health Related Services

सेवाहरु:

- ❑ मधुमेह(सुगर)
- ❑ थाइराइड रोग
- ❑ पेट,मुटु तथा छातिरोग
- ❑ कलेजी रोग
- ❑ TB, हेपाटाइटिस रोग
- ❑ ब्लडप्रेसर तथा हृदयरोग
- ❑ मोटोपना

डा. अकाश राउत
MBBS, MD (TJ), Internal Medicine
Senior Consultant Physician
NMC NO. 20304

➤ आउने समय : प्रत्येक दिन (२४ घण्टा)

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरु : १) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसूती सम्बन्धी सेवा (बॉन्डोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गडबडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किडनीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अप्रेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाडा(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्ने, फ्याक्चर, हाडाजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेसिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुछाँ पनुं, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरु, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा भ्रमभ्रमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।



कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली

फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२९२४९

विपद् जोखिम न्यूनीकरणको पूर्वतयारी गरौं

- ❖ वर्षाको समयमा बाढी पहिरो तथा चट्याङ्गको जोखिम हुन सक्छ,
- ❖ सम्भावित जोखिमको मूल्यांकन गरौं, सचेत बनौं,
- ❖ जोखिमयुक्त स्थानमा नवसौं, सुरक्षित स्थानमा बसौं,
- ❖ नदि किनारा वा भिरालो जमिनमा बसोबास भएकाहरु विशेष सतर्क रहौं,
- ❖ सम्भावित जोखिमबाट बच्न आपतकालीन पूर्वयोजना बनाऔं,
- ❖ घर परिवार र छिमेकीहरूसँग मिलेर सुरक्षित स्थानको पहिचान गरौं,
- ❖ सम्पर्क बिन्दुहरु तय गरौं, सूचना प्रणालीमा आवद्ध होऔं,
- ❖ खाद्यान्न, पानी, प्राथमिक उपचार सामग्री, टर्चलाइट र आवश्यक औषधि आदि तयारी अवस्थामा राखौं,
- ❖ प्रकोप व्यवस्थापन तालिम तथा अभ्यासमा सहभागी बनौं,
- ❖ बालबालिका, वृद्धवृद्धा र अपाङ्गता भएका व्यक्तिको सुरक्षामा ध्यान दिऔं ।

भजनी नगरपालिका

४ नम्बरको कार्यालय

खैलाड, कैलाली

“लैंगिक समानताके लाग समान सोच ओ व्यवहारः समृद्धिके आधार”